बच्चों के लिए बाइबिल

प्रस्तुति

नोह और भयंकर बाढ़

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: Byron Unger; Lazarus
रूपान्तरकार: M. Maillot; Tammy S.
अनुवाद: info@christian-translation.com
www.christian-translation.com
प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2012 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

नोह एक ऐसा व्यक्ति था जो परमेश्वर की पूजा करता था। सबके-सब परमेश्वर से घृणा और उनकी अवज्ञा करते थे। एक दिन परमेश्वर ने कुछ आश्चर्यजनक कहा। “मैं कमजोर दुनिया को उजाड़ दूँगा।”

परमेश्वर ने नोह से कहा “केवल तुम्हारा परिवार ही बचाया जा सकेगा।”

परमेश्वर ने नोह को चेतावनी दी कि बहुत ही भयंकर बाढ़ आएगी और पूरे पृथ्वी पर छा जाएगी। “तुम अपने परिवार तथा पशुओं के लिए लकड़ी का एक सन्दूक और एक बड़ा-सा नाव बनाओ।” नोह को आदेश दिया जा चुका था। परमेश्वर ने नोह को खास निर्देश दिया। नोह व्यस्त हो गया।

वह सन्दूक क्यों बना रहा
है, जब नोह ऐसा कहता तो
लोग प्रायः उसका उपहास
करते। नोह ने निर्माण
जारी रखा।
वह लोगों को
परमेश्वर
के संबंध में
कहना भी जारी
रखा। उसकी कोई
नहीं सुनता था।

नोह को अटूट विश्वास था। वह परमेश्वर पर विश्वास करता था, यहाँ तक की इससे पहले कभी भी वर्षा भी नहीं हुई थी। सन्दूक सामान लादने के लायक हो चुका था।

अब जानवर आए। परमेश्वर ने उनमें से सात प्रजातियाँ और अन्य से दो को लिया। छोटी और बड़ी पक्षियाँ, छोटे और लम्बे जानवरों को सन्दूक में रखा गया।

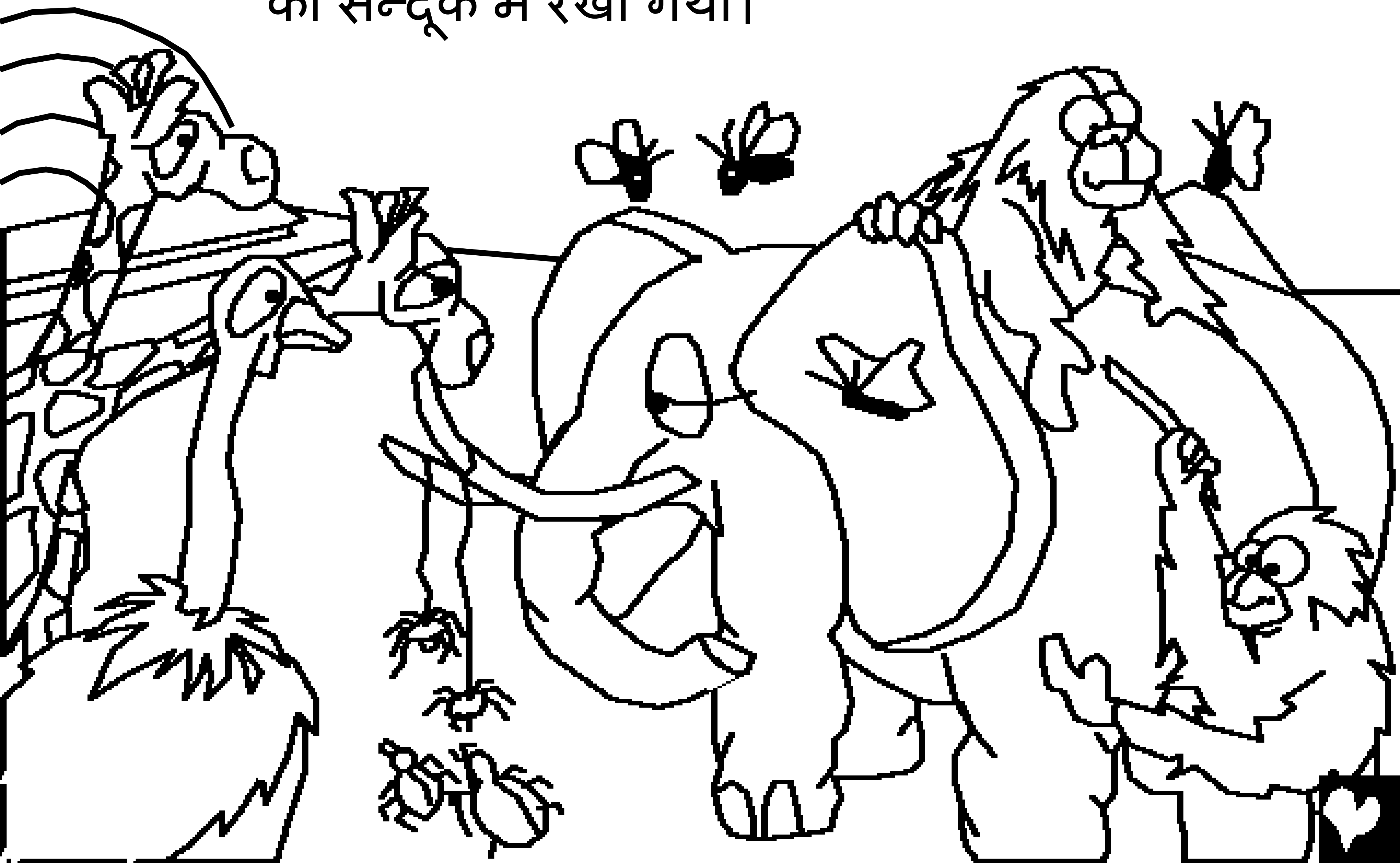

जानवरों को लादते समय नोह को कदाचित
लोगों ने अपमानित किया। वे लोग
परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने से
नहीं चूके। उनलोगों को
सन्दूक में प्रवेश करने
को नहीं कहा
गया।

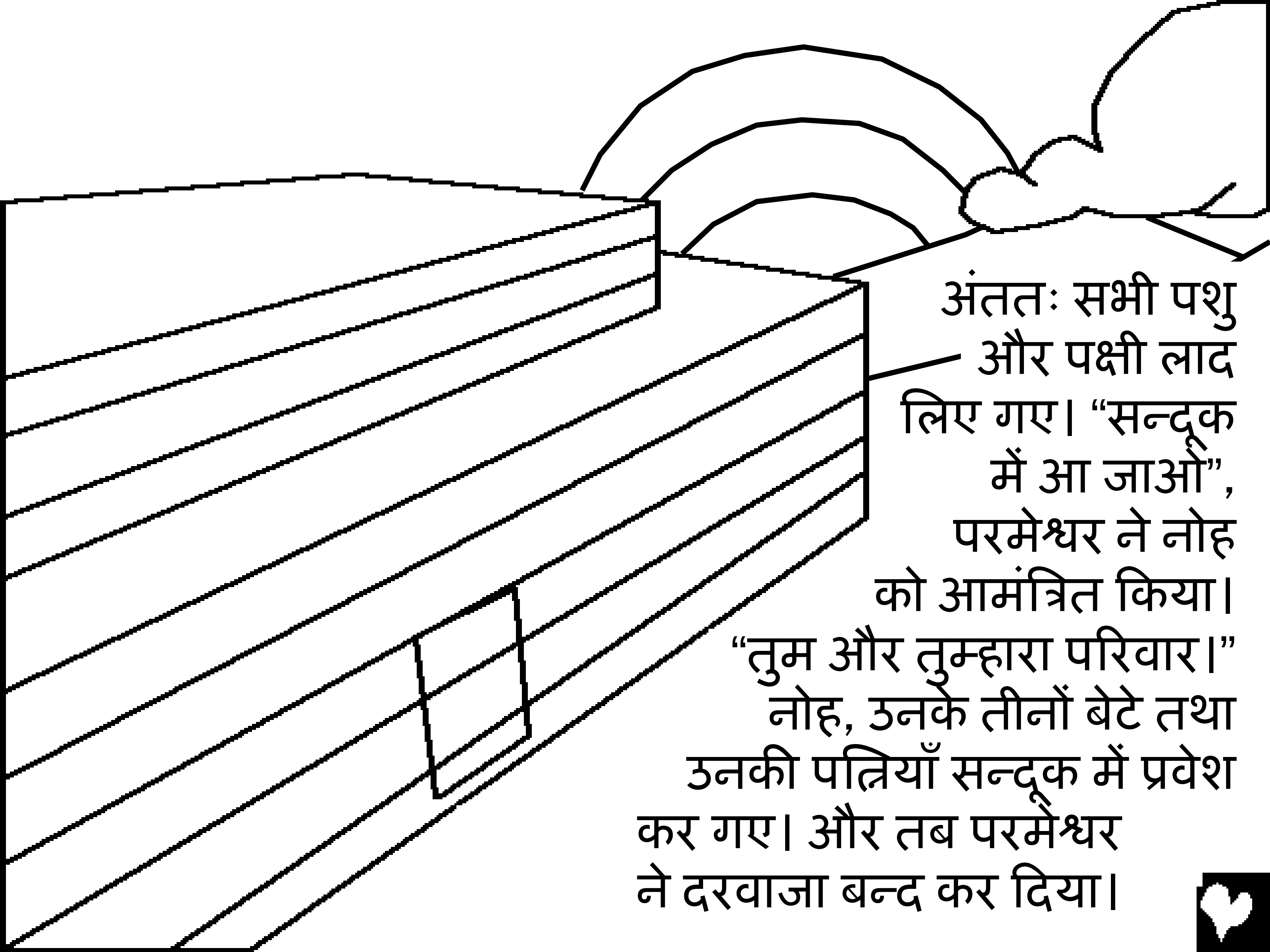

अंततः सभी पशु
और पक्षी लाद
लिए गए। “सन्दूक
में आ जाओ”,
परमेश्वर ने नोह
को आमंत्रित किया।
“तुम और तुम्हारा परिवार।”
नोह, उनके तीनों बेटे तथा
उनकी पत्नियाँ सन्दूक में प्रवेश
कर गए। और तब परमेश्वर
ने दरवाजा बन्द कर दिया।

तब वर्षा आरंभ हुई। चालीस दिनों तक दिन और रात मूसलाधार बारिस होती रही।

गाँव और
शहरों के ऊपर से बाढ़
का पानी बहने लगा। जब
बारिश रूकी तो यहाँ तक की पहाड़ भी
पानी में डूब चुका था। हवा साँस लेने
वाला प्रत्येक प्राणी मर चुका था।

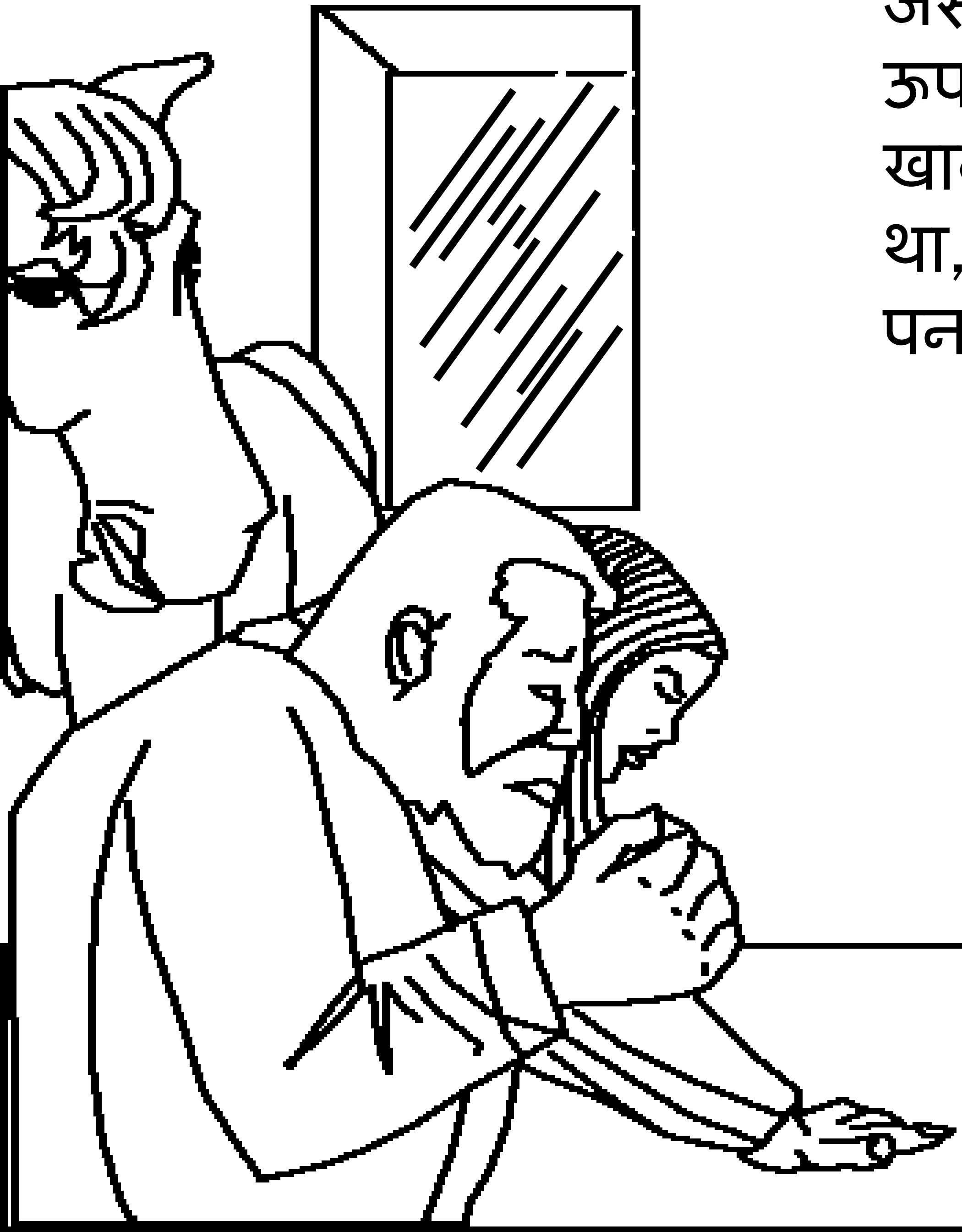

जैसे-जैसे पानी बढता, सन्दूक ऊपर तैरता। अंदर अँधेरा, ऊबड़-खाबड़, और डरावना हो सकता था, पर सन्दूक नोह को बाढ़ से पनाह देता रहा।

पाँच महीने के बाढ़ के बाद, परमेश्वर ने सूखी हवा भेजी। धीरे-धीरे सन्दूक आरारत पहाड़ पर पहुँच गया। जबतक पानी नीचे नहीं चला गया नोह वहीं पर चालीस दिनों तक ठहरा रहा।

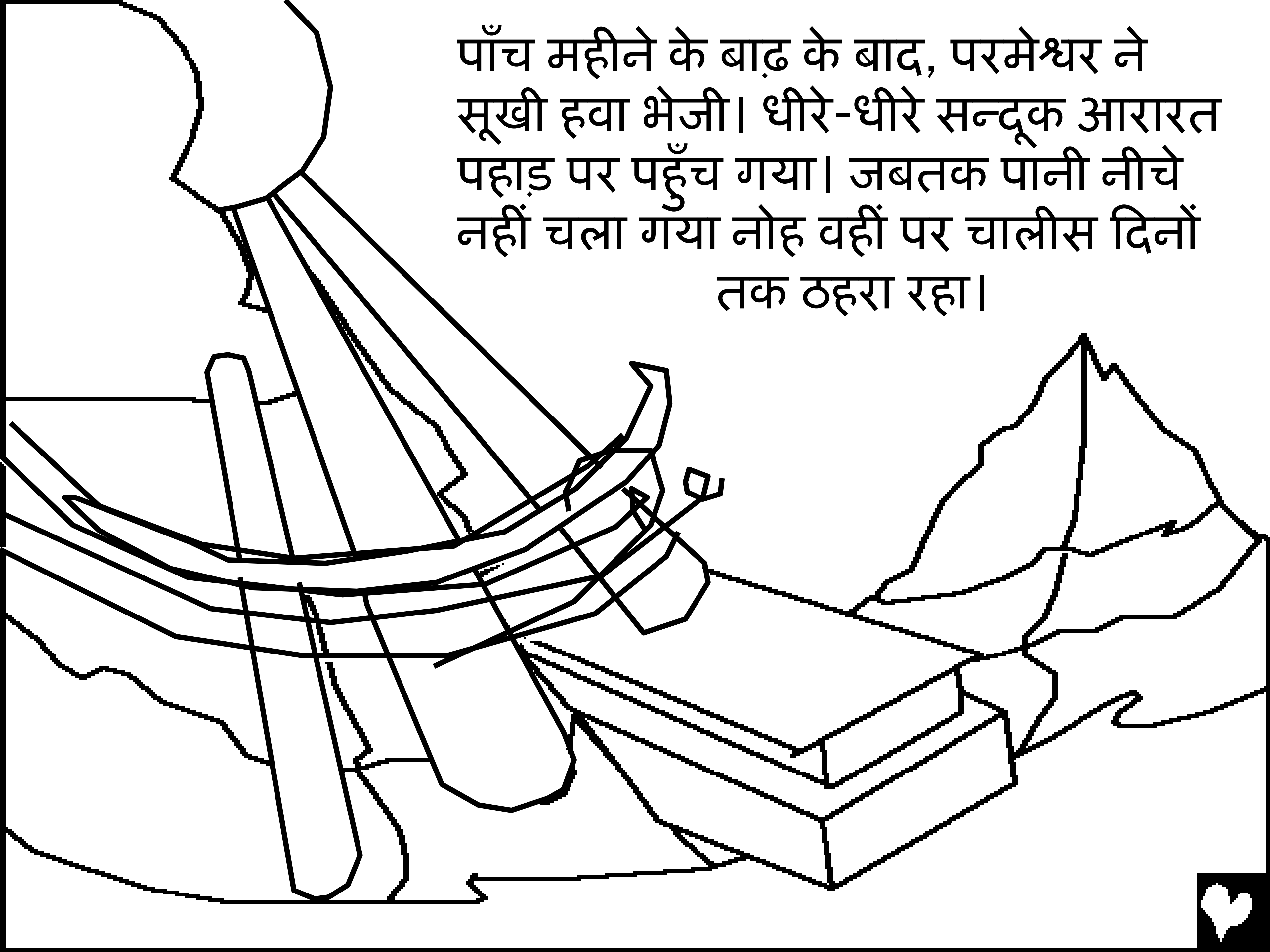

नोह ने सन्दूक खोलकर
एक कौआ और एक बत्तख को
भेजा। कहीँ भी उसे सूखा और
साफ जगह नहीं मिला, इसलिए
बत्तख नोह के पास वापस आ गया।

एक सप्ताह बाद नोह ने
फिर प्रयास किया। बत्तख
अपनी चोंच में जैतून की एक
नयी पत्ती लेकर वापस आया।
अगले सप्ताह नोह ने जाना कि
अब पृथ्वी सूख चुकी है क्योंकि
बत्तख वापस नहीं
आया।

परमेश्वर ने नोह से कहा सन्दूक से निकलने का समय आ गया है। नोह और उसका परिवार, साथ-साथ सन्दूक से जानवरों को निकाला।

नोह परमेश्वर के प्रति कृतज्ञ था। उसने परमेश्वर रखने का एक टेबुल बनाया तथा उसपर परमेश्वर की पूजा की जिसने उसे इतने नृशंस बाढ़ से बचाया था।

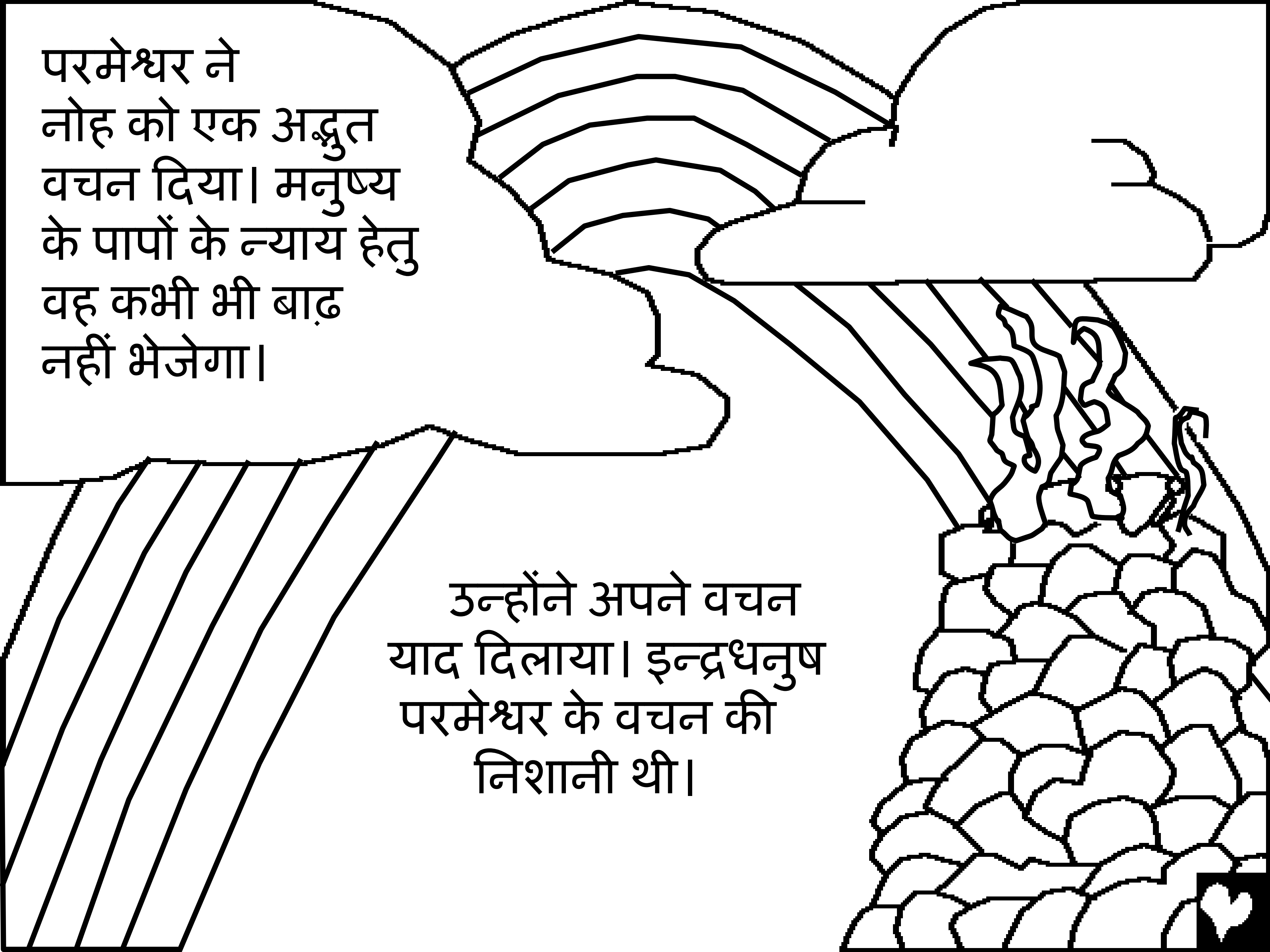

परमेश्वर ने
नोह को एक अद्भुत
वचन दिया। मनुष्य
के पापों के न्याय हेतु
वह कभी भी बाढ़
नहीं भेजेगा।

उन्होंने अपने वचन
याद दिलाया। इन्द्रधनुष
परमेश्वर के वचन की
निशानी थी।

बाढ़ के बाद नोह और
उसके परिवार ने
नयी जिन्दगी शुरू की। उन दिनों
उनके वंशज से पूरी पृथ्वी भर गई।
दुनिया के सभी राष्ट्रवासी नोह और
उसके बच्चों से ही आते हैं।

नोह और भयंकर बाढ़

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

जेनेसिस 6-10

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुनः जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुनः जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16